नईदुनिया
भोपाल, 9 जुलाई 2026

आरबीआई का बड़ा कदम : ग्राहकों को जबरन वित्तीय उत्पाद बेचने पर लगेगी रोक

1 जनवरी 2027 से लागू होंगे नए नियम; बैंक ग्राहकों को लोन के साथ बीमा खरीदने के लिए नहीं कर पाएंगे मजबूर

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहकों को गलत तरीके से बीमा, म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय उत्पाद बेचने पर रोक लगाने के लिए कड़े नए नियम जारी किए हैं। ये नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे और ग्राहकों को जबरन बिक्री से बचाने तथा उनके हितों की रक्षा करने पर केंद्रित हैं। अब बैंक और वित्तीय संस्थान बिना ग्राहक की स्पष्ट सहमति के कोई भी उत्पाद नहीं बेच पाएंगे, और लोन के साथ बीमा खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकेगा।

नए नियमों के तहत, बैंकों और एनबीएफसी को ग्राहक की स्पष्ट लिखित या डिजिटल सहमति के बिना कोई भी वित्तीय उत्पाद बेचने की अनुमति नहीं होगी। यदि एक ही फार्म में कई उत्पाद शामिल हैं, तो प्रत्येक उत्पाद के लिए अलग से सहमति लेनी होगी ताकि ग्राहक अपनी आवश्यकतानुसार चुनाव कर सके। साथ ही, ग्राहक को लोन या अन्य बैंकिंग सेवाओं के बदले किसी खास बीमा या निवेश योजना को खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकेगा। ग्राहकों के पास अपनी पसंद की किसी भी कंपनी का वित्तीय उत्पाद चुनने की स्वतंत्रता होगी।

आरबीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि बैंक ग्राहक की उम्र, आय, वित्तीय स्थिति, निवेश का फोकस और जोखिम उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही कोई उत्पाद सुझाएं। केवल कमीशन कमाने के लिए ग्राहक की जरूरत के विपरीत उत्पाद बेचना गलत माना जाएगा। आनलाइन बिक्री के लिए भी कड़े नियम बनाए गए हैं, जिसमें वेबसाइटों या मोबाइल ऐप पर पहले से टिक किए गए आप्शन, बार-बार आने वाले पाप-अप या ग्राहक पर जल्द फैसला लेने का दबाव बनाने वाले डिज़ाइन पर प्रतिबंध रहेगा। ग्राहक आसानी से किसी भी आफर को अस्वीकार कर सकेंगे।

अगर जांच में यह साबित होता है कि किसी ग्राहक को गलत जानकारी देकर या दबाव बनाकर कोई वित्तीय उत्पाद बेचा गया है, तो संबंधित बैंक या वित्तीय संस्था को पूरा पैसा वापस लौटाना होगा। ऐसे मामलों में, उत्पाद को रद्द किया जाएगा और यदि ग्राहक को अतिरिक्त आर्थिक नुकसान हुआ है, तो बैंक की नीति के अनुसार उसे मुआवजा भी दिया जा सकता है। ग्राहक ऐसे मामलों में संबंधित बैंक या वित्तीय संस्था में 30 दिनों के भीतर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

आरबीआई का मानना है कि इन उपायों से वित्तीय क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी, ग्राहकों का भरोसा मजबूत होगा और बैंकों व एनबीएफसी को केवल बिक्री बढ़ाने के बजाय ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता देनी होगी। इससे गलत तरीके से उत्पाद बेचने के मामले कम होंगे और लोग अधिक भरोसे के साथ वित्तीय उत्पादों में निवेश कर सकेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

मोबाइल रिचार्ज में भारी बढ़ोतरी तय, जेब पर पड़ेगा सीधा असर, रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक मंहगे हो सकते

मुंबई। भारतीय मोबाइल उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगने वाला है। जल्द ही आपके

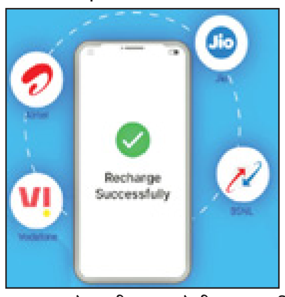

मासिक या वार्षिक रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे हो सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर सीधा बोझ पड़ेगा। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, देश की प्रमुख टेलीकाम कंपनियां रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया अपने औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में सुधार लाने और 5जी नेटवर्क पर किए बड़े निवेश की भरपाई की तैयारी में हैं। पिछले टैरिफ बढ़ोतरी के झटके से उपभोक्ता अभी उबर भी नहीं सके थे कि यह दूसरी बड़ी वृद्धि सामने आने वाली है। टेलीकाम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर यह बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार में अब केवल 3+1 खिलाड़ी होने के कारण, कंपनियों के लिए कीमतें बढ़ाना आसान हो गया है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाली तिमाही में सभी निजी टेलीकाम आपरेटरों के एआरपीयू में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण ग्राहकों का 2जी से 4जी और 5जी नेटवर्क पर अपग्रेड होना, पोस्टपेड ग्राहकों की बढ़ती संख्या और डेटा उपयोग में लगातार वृद्धि है। रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने सब्सक्राइबर मार्केट शेयर में लगातार इजाफा कर रही हैं, जबकि दोनों ही कंपनियाँ देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में 5जी सेवाएं शुरू कर चुकी हैं और अपने नेटवर्क में अधिक 5जी डिवाइस जोड़ने पर काम कर रही हैं। वोडाफोन आइडिया भी लगभग 100 शहरों में अपनी 5जी सेवा का विस्तार कर रहा है।

राज्यों के भविष्य पर पर्दा! 16वें वित्त आयोग ने क्यों रोके जीएसडीपी अनुमान

नई दिल्ली। सोलहवें वित्त आयोग ने अपने पूर्ववर्तियों की दशकों पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए 2026-31 की अवधि के लिए राज्यों के अलग-अलग भविष्योन्मुखी सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी)अनुमानों को सार्वजनिक नहीं किया है। इस फैसले से राज्यों के लिए आगामी पांच वर्षों हेतु अपने वित्तीय नियोजन, राजस्व क्षमता और व्यय का आकलन करने में महत्वपूर्ण चुनौती खड़ी हो गई है। राज्यों के लिए चुनौती आयोग द्वारा राज्यवार जीएसडीपी अनुमान प्रकाशित न करने से राज्यों के पास अपनी मध्यावधि वृद्धि और वित्तीय प्रक्षेपवक्र का आकलन करने के लिए कोई मानक उपलब्ध नहीं होगा। राज्य-वार अनुमानों के अभाव में, राज्य सरकारें 2026-31 की अवधि के लिए अपनी कर वृद्धि, राजस्व क्षमता और व्यय का तुलनात्मक रूप से सटीक अनुमान लगाने में असमर्थ होंगी। इससे उनकी वित्तीय योजनाएं अपनी आंतरिक मान्यताओं पर अधिक निर्भर हो सकती हैं। हालांकि, रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि कर विभाजन के फार्मूले पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह जीएसडीपी के पिछले उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित है।

ई-20 पेट्रोल पूरी तरह सुरक्षित : पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली। ई20 पेट्रोल को लेकर भ्रामक सूचनाओं के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह पेट्रोल

पूरी तरह सुरक्षित है और इस पर कई वैज्ञानिक शोध किए गए हैं, जिसका विदेशों में भी वर्षों से सफलतापूर्वक उपयोग हो रहा है। केंद्र सरकार ने ई20 पेट्रोल के संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही भ्रामक सूचनाओं को पूरी तरह से ख़ारिज कर दिया है। सरकार ने उन दावों को महज़ अफवाह बताया, जिनमें पानी की बर्बादी, इंजन खराब होने या बीमा समाप्त होने की बात कही जा रही थी। इथेनाल उत्पादन में पानी की बर्बादी के दावे को गलत बताते हुए मंत्रालय ने कहा कि एक लीटर इथेनाल बनाने में केवल 3 से 5 लीटर पानी लगता है, और नई फैक्ट्रियां इसे रीसायकल भी करती हैं। इथेनाल मुख्य रूप से देश की ज़रूरत से बचे अतिरिक्त चावल और अब 40 प्रतिशत से अधिक मक्के से बनता है, जिसकी खेती में कम पानी लगता है। इंजन खराब होने के डर पर, आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया के टेस्ट का हवाला दिया गया, जिसमें कारों को 40,000 किलोमीटर और बाइकों को 20,000 किलोमीटर चलाकर देखा गया। परीक्षणों में पाया गया कि गाड़ी के चलने या माइलेज पर कोई खास नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि इथेनाल की बेहतर गुणवत्ता के कारण इंजन बेहतर काम करता है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ, 10 जुलाई तक लगाई जा सकती है बोली

नई दिल्ली

इंजीनियरिंग फैब्रिक्स और एयरोस्पेस एवं डिफेंस साल्यूशंस का निर्माण करने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 10 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 14 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 15 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 11:30 बजे तक ये आईपीओ 1.01 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 398 रुपये से लेकर 419 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 35 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,665 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,90,645 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 455 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,55,13,126 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये जारी किए जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कुसुमगर लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 84.40 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 111.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 98.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 474.55 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 790.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में गिरावट आई। इस साल कंपनी को 711.78 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो सका। कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी इस दौरान उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 76.53 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 246.50 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले साल यानी पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ मामूली गिरावट के साथ 223.58 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 138.37 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 247.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 491.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

इस दौरान कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 140.36 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 257.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भी कंपनी के नेटवर्थ ने जोरदार छलांग लगाई। इस वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी का नेटवर्थ उछल कर 502.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह कंपनी की ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 131.85 करोड़ रुपये के स्तर पर थी, जो 2024-25 में बढ़ कर 188.39 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गई। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी की ईबीआईटीडीए मामूली गिरावट के साथ 187.85 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई थी।

मारुति सुजुकी के खरखौदा संयंत्र में एक मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली चालू

नई दिल्ली

देश की अग्रणी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने हरियाणा के खरखौदा विनिर्माण संयंत्र में एक मेगावाट-घंटा (एमडब्ल्यूएच) क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) चालू कर दी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को कहा कि शुरुआती पहल के तहत बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) को खरखौदा संयंत्र के आंतरिक बिजली वितरण नेटवर्क के साथ एकीकृत किया गया है।

यह पहल संयंत्र की अक्षय ऊर्जा दक्षता को अधिकतम करने और कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद करेगी।

एमएसआईएल ने कहा कि बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) कम मांग वाले समय या संयंत्र में अवकाश के दिनों के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को संग्रहित कर आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाकर इस चुनौती का समाधान करती है। संयंत्र में अवकाश के दिनों में सौर ऊर्जा की मांग नहीं होने के कारण उत्पन्न बिजली का उपयोग नहीं हो पाता था। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा बीईएसएस बिजली ग्रिड की स्थिरता में सुधार करने में भी मदद करेगी।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी आत्मनिर्भर ऊर्जा परिवेश को लेकर भारत की नीति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ताकेउची ने कहा कि खरखौदा संयंत्र में बीईएसएस की शुरुआत इसी दिशा में उसके सतत प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बीईएसएस से हर साल लगभग 54 टन कार्बन डाइआक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने 2025 में खरखौदा संयंत्र में 20 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की थी।

चालू माह में मिल रही अल्ट्रोज और टियागो पर विशेष छूट

नई दिल्ली। जुलाई महीने में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक अल्ट्रोज और टियागो पर आकर्षक छूट की घोषणा की है। अल्ट्रोज के रेसर वैरिएंट पर सबसे अधिक 55,000 रुपये तक का डिस्काउंट उपलब्ध है। इसके पेट्रोल और डीज़ल वैरिएंट्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस मिल रहा है। वहीं, अल्ट्रोज सीएनजी माडल पर इन छूटों के साथ 20,000 रुपये का इंटरवेंशन आफर भी दिया जा रहा है। अल्ट्रोज की एक्स-शोरूम कीमतें 6.3 लाख रुपये से 10.65 लाख रुपये के बीच हैं, और यह कई इंजन विकल्पों व उन्नत सुरक्षा फीचर्स जैसे 6 एयरबैग और ईएससी के साथ आती है। दूसरी ओर, टाटा मोटर्स प्री-फेसलिफ्ट टियागो के बचे हुए स्टाक पर 35,000 रुपये तक की छूट दे रही है। एक्सई वैरिएंट को छोड़कर, टियागो के पेट्रोल और सीएनजी दोनों माडल्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस और 5,000 रुपये का एक्सचेंज आफर मिल रहा है। कंपनी ने हाल ही में नई 2026 टियागो भी लान्च की है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 4.70 लाख रुपये से है। इसमें 1.2-लीटर 3-सिलेंडर पेट्रोल (86एचपी) और सीएनजी (75.5 एचपी) इंजन विकल्प दिए गए हैं, जो मैनुअल और एएमटी यूनिट के साथ उपलब्ध हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव 1,600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गए हैं। चांदी की बात करें, तो इस चमकीली धातु की कीमत में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,33,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,45,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,45,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव के कारण ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,925.15 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,503.85 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 302.47 अंक यानी 1.16 प्रतिशत टूट कर 25,818.69 अंक के स्तर

पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत फिसल कर 52,857.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,665.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत लुढ़क कर 8,436.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 352.64 अंक यानी 1.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,465.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,402.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,011.05 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 535.11 अंक यानी 2.28 प्रतिशत उछल कर 24,032 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 128.40 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,607.51 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 133.50 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,250 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 166.96 अंक यानी 0.24 प्रतिशत गिर कर 68,090 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 127.86 अंक यानी 1.67 प्रतिशत लुढ़क कर 7,528.45 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।